



‘समानो मन्त्रः समितिः समानी’

UNIVERSITY OF NORTH BENGAL
B.A. Honours 2nd Semester Examination, 2023

GE1-P2-SANSKRIT

Time Allotted: 2 Hours

Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

UNIT-I

1. Answer any **one** of the following question: 12×1 = 12
 - (a) What are the main branches of scientific literature in Sanskrit? Write a note on Medical Science.
 - (b) Give brief account of the evaluation of Mathematics in ancient and medieval India.

2. Write short notes on any **two** of the following: 6×2 = 12

वास्तुशास्त्र, वराहमिहिर, सुश्रुतसंहिता।

3. Answer any **four** of the following questions: 3×4 = 12
 - (a) Who was गङ्गादास ? What is his famous book on छन्दःशास्त्र ?
 - (b) Write the name of two authors and their works in the field of संगीतशास्त्र.
 - (c) What are the main branches of scientific literature in Sanskrit?
 - (d) What are the main divisions of Astronomy?
 - (e) What are the famous writers of स्मृतिशास्त्र ?
 - (f) What do you mean by त्रिमुनिव्याकरण ?

4. Translate from Bengali to Sanskrit any **two** of the following: 6×2 = 12
 - (a) সংস্কৃত সাহিত্যের আকাশে মহাকবি কালিদাস উজ্জ্বল জ্যোতিষ্কস্বরূপ। তাঁর শ্রেষ্ঠ কাব্য রঘুবংশ এবং নাটক অভিজ্ঞান-শকুন্তলম্ জগতে সুপরিচিত। এই মহাকবির প্রতিভা অতুলনীয়। বেদাদিশাস্ত্রে, বিবিধকলাবিদ্যায় তাঁর জ্ঞান অপরিসীম। তিনি সরস্বতীর বরপুত্র নামে খ্যাত।
 - (b) মানুষ তার নিজের ভাগ্য নির্মাতা। আমরা জীবনের সাফল্য অর্জন করতে পারি না; যদি আমরা পরিশ্রমকে ভয় পাই। কিন্তু মানুষ মনে করে যে, জীবনের সার্থকতা ভাগ্যের উপর নির্ভর করে। কিন্তু তা ঠিক নয়। পরিশ্রমই সার্থকতার মূল রহস্য এবং তা কেবল কোন ব্যক্তিবিশেষের পক্ষে নয়, সমগ্র জাতির পক্ষেই সত্য।

- (c) दक्षिणतः जनपदे महिलारोप्य नामे एक नगरं छिन्नम् । सेखाने अमरशक्ति नामे एक राजा छिन्नम् ।
तारं तिन पुत्रं छिन्नम् । पुत्ररा दुर्मेधा सम्पन्नं उ विवेकरहितं छिन्नम् ।

UNIT-II

5. Read the following passage and answer the following questions in Sanskrit: 12×1 = 12

अस्ति ब्रह्मारण्ये कर्पूरतिलको नाम हस्ती । तमवलोक्य सर्वे शृगालाश्चिन्तयन्ति स्म—यद्ययं
केनाप्युपायेन म्रियते तदास्माकम् एतद्वेहेन मासचतुष्टयस्य स्वेच्छया भोजनं भविष्यति । तत्रैकेन वृद्ध
शृगालेन प्रतिज्ञातम् —“मया बुद्धिप्रभावादस्य मरणं साधयितव्यम्” इति । अनन्तरं स वञ्चकः
कर्पूरतिलकसमीपं गत्वा साष्टाङ्गपातं प्रणम्योवाच देव ! दृष्टिप्रसादं कुरु । हस्ती ब्रूते-कस्त्वम् ? कुतः
समायातः । सोऽवदत् जम्बुकोऽहम् । सर्वैर्वनवासिभिः पशुभिः मिलित्वा भवत्सकाशं प्रस्थापितः यत्
“विना राज्ञावस्थातुं न युक्तं तदत्राटवीराज्येऽभिषेक्तुं भवान् सर्वस्वामिगुणोपेतो निरुपितः।” इति ।

- (i) कर्पूरतिलकः कुत्र वसति ?
(ii) हस्तिनं दृष्ट्वा शृगालैः किं चिन्तितम् ?
(iii) वृद्धशृगालेन किं प्रतिज्ञातम् ?
(iv) हस्तिनं प्रति वृद्धशृगालेन किम् उक्तम् ?

—x—